Hydel Power Projects in Andhra Pradesh

435. SHRI TALARI MANOHAR; Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether any survey has been conducted for installation of hydel power projects in Andhra Pradesh; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER. OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRIMATI SUSHILA ROHATGI): (a) and (b) According to the Hydro-electric Potential Reassessment Study carried out by the Central Electricity Authority, the hydro-electric potential of Andhra Pradesh is estimated at 2909 MW at 60 per cent load factor.

Agreements for Foreign Trade Mark

*436. SHRI KAPIL VERMA:

SHRI SURESH KALMADI:

Will the Minister of INDUSTRY be ■ pleased to state:

(a) whether it is a fact that Ihe Registration of Trade Marks has refused use of certain Registered foreign trade marks and the matter has been taken to a Court of Law and if so, the names of the companies ana the trade mark involved; and

(b) whether for T.V. (colour and black and white) the policy of not using foreign trade marks has been gazetted, and if *so,* the reasons for which similar gazette has not been issued for Foreign Trade Marks in respect of other consumer goods?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI J. VENGAL RAO): (a) No, Sir. Under Section 28 of the Trade and Merchandise Marks Act, 1958, the Registered Proprietor has the right te the use of the trade mark in relation to the goods in respect of which the mark is registered. However, if the trade mark is to be used by a person other than the Registered Proprietor, then a joint application may be made by both the Registered Proprietor and the proposed Registered User for registration as registered user.

(b) Foreign brand names are not allowed in the manufacture and sale of black and white and colour T. V. sets as per ihe Resolution No. 23(20)| Secy (EC) dt. 1-3-86 of the Department of Electronics, published in the Gazette of India as a part of the overall T. V. Policy. All foreign collaboration approvals contain a standard condition that use of foreign brand names will not be allowed on products meant for internal sales.

त्रिवेणी स्ट्रक्चरल्स और भारत पम्पस् एण्ड कम्प्रेशर्स लि०

*437. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 31 अक्तूबर, 1987 की स्थिति के अनुसार त्रिवेणी स्ट्रक्चरल्स लिमिटेड और भारत पम्पस एण्ड कम्प्रेशर्स लिमिटेड, नैनी, इलाहाबाद को कुल कितनी धन राशि का घाटा हुआ ;

(ख) इन घाटों के क्या कारण हैं और उनके लिए कौन-कौन जिम्मेदार हैं ; और

(ग) सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कार्यवाही कर रही है कि ये कम्पनियां अपने घाटे पूरे कर लें और लाभ पर चलें ?

उद्योग मंत्री (श्री जे० वेंगल राव) : (क) 31-3-1987 को दो कम्पनियों द्वारा उठायी गई संचित हानियों निम्न-प्रकार हैं :—

त्रिवेणी स्ट्रक्चरल्स लि० (टी०एस०एल०)— 7,39,28,000 रु०

भारत पम्पस एण्ड कम्प्रेशर्स लिमिटेड (बी०पी०सी०एल०)—18,91,33,856 रु०

वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बाद वर्ष 1987–88 के लेखों को अन्तिम रूप दिया जायेगा।

(ख) हानि के कारण निम्नलिखित है:—

टी०एस०एल०—(1) ब्याज का भारी बोझ।

(2) निम्न वर्धित मूल्य के क्रयादेश।

(3) कामगारों, स्टाफ और कार्यकारियों के वेतन में समय-समय पर संशोधन।

(4) छोटी प्राइवेट पार्टियों की ओर से बढ़ी हुई प्रतियोगिता के कारण बुक किये गये क्रयादेश की खराब स्थिति के फलस्वरूप संसाधनों का कम उपयोग।

(5) आयात में विलम्ब के परिणामस्वरूप निर्धारित लागत में वृद्धि।

(6) पिछले समय में बिजली की अपर्याप्त सप्लाई और बिजली में कटौती।

बी०पी०सी०एल०—

(1) शेल फोजिम्स, सेन्ट्रीफ्यूगल पम्पों और सिलेन्डरों के लिए क्रयादेश की प्राप्ति में कमी।

(2) आयातित और स्वदेशी सामानों क प्राप्ति में विलम्ब।

(3) रुपये की तुलना में डी०एम०, येन और डालर के मूल्यों में वृद्धि के कारण सामानों के मूल्य में वृद्धि।

(4) बिक्री मूल्य कम था क्योंकि अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में विदेशी सम्भरकों ने मूल्य घटा दिये थे।

(5) तदर्थ भुगतान और अन्तरिम राहत की मंजूरी से कर्मचारियों को भुगतान की जाने वाली राशि में वृद्धि।

(6) रुपये की तुलना में डी०एम०के मूल्य में वृद्धि के कारण ग्राहकों के ऋण को किश्त के० एफ० डब्लू० को पुनर्भुगतान के विनिमय में अन्तर पड़ जाने से हानि

(7) पिछली हानियों से ब्याज का भारी बोझ।

(ग) भारत यंत्र निगम लिमिटेड नामक एक धारक कम्पनी का गठन बी० पी०सी०एल० और टी०एस०एल० सहित छः सहायक कम्पनियों के साथ किया गया है। धारक कम्पनी इन कम्पनियों के कार्य की मानटरिंग गहनता से करेगी, विपणन में बेहतर रूप से सहायता करेगी और बी०पी०सी०एल० और टी एस०एल० सहित सहायक कम्पनियों के कार्य को उन्नत बनाने की दृष्टि से इन कम्पनियों का समग्ररूप से मार्गदर्शन करेगी।

Uniform Power Tariffs for NCR Townships

•438. SHRI J. P. GOYAL; Will the Minister of ENERGY be pleased to state;

(a) what are the names of the town ships comprising the National Capital Region;

(b) whether it is a fact that there are frequent breakdowns of power supply in NCR townships; if so, what are the details thereof;

(c) whether it is also a fact that Ihe power tariff in Delhi and in NCR townships varies ana if so, what are the reasons therefor; and

(d) what steps are being taken to fix uniform power tariffs for NCR townships and to ensure regular sup ply of power?